श्री सत्यनारायण जी की आरती,

ॐ जय लक्ष्मीरमणा स्वामी जय लक्ष्मीरमणा।
सत्यनारायण स्वामी ,जन पातक हरणा॥

रत्नजडित सिंहासन , अद्भुत छवि राजें।
नारद करत निरतंर घंटा ध्वनी बाजें ॥
ॐ जय लक्ष्मीरमणा स्वामी.

प्रकट भयें कलिकारण ,द्विज को दरस दियो।
बूढों ब्राम्हण बनके ,कंचन महल कियों ॥
ॐ जय लक्ष्मीरमणा स्वामी..

दुर्बल भील कठार, जिन पर कृपा करी।
चंद्रचूड एक राजा तिनकी विपत्ति हरी ॥
ॐ जय लक्ष्मीरमणा स्वामी..

वैश्य मनोरथ पायों ,श्रद्धा तज दिन्ही।
सो फल भोग्यों प्रभूजी , फेर स्तुति किन्ही ॥
ॐ जय लक्ष्मीरमणा स्वामी..

भाव भक्ति के कारन .छिन छिन रुप धरें।

श्रद्धा धारण किन्ही ,तिनके काज सरें ॥
ॐ जय लक्ष्मीरमणा स्वामी..

ग्वाल बाल संग राजा ,वन में भक्ति करि।
मनवांचित फल दिन्हो ,दीन दयालु हरि ॥
ॐ जय लक्ष्मीरमणा स्वामी..

चढत प्रसाद सवायों ,दली फल मेवा।
धूप दीप तुलसी से राजी सत्य देवा ॥
ॐ जय लक्ष्मीरमणा स्वामी..

सत्यनारायणजी की आरती जो कोई नर गावे।
ऋद्धि सिद्धी सुख संपत्ति सहज रुप पावे ॥
ॐ जय लक्ष्मीरमणा स्वामी..

ॐ जय लक्ष्मीरमणा स्वामी जय लक्ष्मीरमणा।
सत्यनारायण स्वामी ,जन पातक हरणा ॥

Source: https://www.bharattemples.com/shri-vishnu-ji-ki-aarti/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw